



**उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड**  
**(उ०प्र० सरकार का उपकम)**  
**शक्ति भवन, 14-अशोक मार्ग, लखनऊ**  
**CIN : U32201UP1999SGC024928**

संख्या: 86-अ०प्र०(अ)/पा०का०लि०/2015

दिनांक: 08 जुलाई, 2015

**कार्यालय ज्ञाप**

मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक 27.04.2012 में उ०प्र० लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्ग के लिये आरक्षण) अधिनियम, 1994 की धारा-3(7) को ultra vires घोषित किये जाने तथा उ०प्र० शासनादेश संख्या-4/1/2000 टी.सी.-का-2/2002, दिनांक 08.05.2012 के अनुक्रम में निर्गत समसंख्यक शासनादेश दिनांक 13.05.2012 के प्रस्तर 6(ख)(अ) में निहित निर्देश के समादर में, श्री रमेश कुमार (82061) (अनु०जा०) को धारा-3(7) का लाभ प्रदान करते हुये अधीक्षण अभियन्ता (वै० एवं यां०) के पद पर आदेश दिनांक 01.01.2005 (चयन दिनांक 14.12.2004) द्वारा दी गयी प्रोन्ति को पोषक संवर्ग की एकल ज्येष्ठता सूची के कमानुसार उन्हें अधीक्षण अभियन्ता(वै० एवं यां०) के पद पर पुनर्व्यवस्थित कर विनियमित किये जाने हेतु अधीक्षण अभियन्ता (वै० एवं यां०) के पद हेतु दिनांक 20.07.2012 को सम्पन्न चयन में लम्बित अनुशासनिक कार्यवाही के प्रकरण के कारण उनका चयन मुहरबन्द लिफाफा में सुरक्षित कर दिया गया। फलस्वरूप श्री रमेश कुमार-82061, अधीक्षण अभियन्ता(वै० एवं यां०) के पद पर नियमित रूप से चयनित न होने एवं अधिशासी अभियन्ता (वै० एवं यां०) की पदधारिता में होने के कारण, मुख्य अभियन्ता, स्तर-2 (वै० एवं यां०) के चयन दिनांक 05.06.2015 में अर्ह नहीं पाये गये। अतः श्री रमेश कुमार-82061, को धारा-3(7) का लाभ प्रदान करते हुये अधीक्षण अभियन्ता (वै० एवं यां०) के पद पर आदेश दिनांक 01.01.2005 (चयन दिनांक 14.12.2004) द्वारा दी गयी प्रोन्ति तथा मुख्य अभियन्ता, स्तर-2 (वै० एवं यां०) के पद पर दिनांक 08.07.2009 (चयन दिनांक 28.07.2006) द्वारा दी गयी प्रोन्ति का नियमतीकरण नहीं किया जा सका।

अतएव एतद्वारा आदेशित किया जाता है कि श्री रमेश कुमार-82061, अधिशासी अभियन्ता (वै० एवं यां०) की पदधारिता में रहते हुए मुख्य अभियन्ता, स्तर-2 (वै० एवं यां०) के पद से पदावनत किये जाने हेतु पृथक आदेश होने अथवा वर्तमान व्यवस्था के अन्तर्गत मुख्य अभियन्ता, स्तर-2(वै० एवं यां०) के पद पर नियमित रूप से चयनित होकर प्रोन्ति होने की तिथि, जो भी पहले हो, तक मुख्य अभियन्ता स्तर-2 (वै० एवं यां०) के पद पर बने रहेंगे।

उपरोक्त के फलस्वरूप पूर्व में निर्गत सभी संगत आदेश तदनुसार इस सीमा तक संशोधित समझे जायेंगे।

कारपोरेशन कार्यहित में एतद्वारा श्री रमेश कुमार (82061) (अनु०जा०) को स्तम्भ सं०-३ में उल्लिखित कार्यालय/स्थान से स्तम्भ संख्या 04 में उल्लिखित निगम/स्थान को स्थानान्तरित कर तैनात/आवण्टित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/अभि० संख्या/गृह जनपद/ सेवानिवृत्ति का दिनांक	वर्तमान तैनाती का कार्यालय/स्थान	स्थानान्तरण पश्चात तैनाती का कार्यालय/आबण्टित निगम
1	2	3	4
1.	श्री रमेश कुमार 82061 / मुजफ्फरनगर 31.07.2016	मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), कार्यालय प्रबन्ध निदेशक, केस्को लि०, कानपुर	पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड वाराणसी

- 2- उक्त तैनाती आदेश जनहित याचिका संख्या 79/1997 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के अन्तिम निर्णय दिनांक 21-३-2007 में निहित निर्देशों के अनुरूप हैं।
- 3- उपर्युक्त स्थानान्तरित अधिकारी को कार्यभार से स्थानीय व्यवस्था द्वारा तत्काल अवमुक्त कर दिया जाए।
- 4- आवण्टित अधिकारी की तैनाती, शासन की द्विसदस्यीय समिति से वांछित अनुमोदन प्राप्त कर, कारपोरेशन की प्रभावी स्थानान्तरण नीति के अनुरूप करने का दायित्व सम्बन्धित निगम का होगा।
- 5- नियन्त्रक अधिकारी का यह दायित्व होगा कि वह सुनिश्चित कर ले कि स्थानान्तरित अधिकारी कार्यमुक्ति की तिथि को पावर कारपोरेशन द्वारा निर्गत आदेश सं०-५९१०-गोपन/पाकालि(०६)-२००१ दिनांक 11-६-२००१ के अनुसार वार्षिक गोपनीय आख्या का अंकन तथा स्वाकंन का प्रस्तुतीकरण सुनिश्चित करता है।

प्रबन्ध निदेशक

# छठमीली चालाम्प्रक संघर्ष प्रतिक्रिया

(मुक्त शब्द संग्रह ०२०७)

लालन गिर्जा कालांव-मुक्त शब्द संग्रह

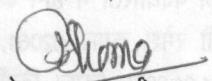
१९९६-२०१५-२०१८-१५५३१-१५५६०८०९



संख्या: ८६-अ०प्र०(२३) / पा०का०लि० / २०१५ तददिनांक

- प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- १— माठ ऊर्जा राज्य मंत्री जी के निजी सचिव, उ०प्र०शासन, लखनऊ।
  - २— अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक, के निजी सचिव/समस्त निदेशक/अपर सचिव (प्रथम/द्वितीय/तृतीय) के निजी सचिव, उ०प्र०पा०का०लि०/उ०प्र०पा०ट्रा०का०लि०, शक्ति भवन, लखनऊ।
  - ३— अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र०पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ के निजी सचिव।
  - ४— प्रबन्ध निदेशक, दक्षिणाच्चल/मध्याच्चल/पूर्वाच्चल/पश्चिमाच्चल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, आगरा/लखनऊ/वाराणसी/मेरठ/कर्नाटक लिमिटेड, कानपुर के निजी सचिव।
  - ५— समस्त मुख्य अभियन्ता (स्तर-१)/मुख्य अभियन्ता (स्तर-२)/मुख्य महा प्रबन्धक/महा प्रबन्धक, उ०प्र०पा०का०लि०/उ०प्र०पा०ट्रा०न्समिशन का०लि०।
  - ६— समस्त संयुक्त सचिव, उ०प्र०पा०का०लि०, शक्ति भवन, लखनऊ।
  - ७— उप महा प्रबन्धक (लेखा प्रशासन)/लेखा अधिकारी (वेतन एवं लेखा), उ०प्र०पा०का०लि०, लखनऊ।
  - ८— अनु सचिव (गोपन), उ०प्र०पा०का०लि०, शक्ति भवन, लखनऊ।
  - ९— सम्बन्धित अधिकारी/वैयक्तिक पत्रावली/कट फाइल।

आज्ञा से,

  
**(सुशील कुमार शर्मा)**

उप सचिव

मेरा जाना वाला है कि आपका उप सचिव संघर्ष प्रतिक्रिया लिखने के लिए अपनी कार्यवाही के लिए एवं अपने कानूनी क्षमता के लिए बहुत अपेक्षित है। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

मास्टर एवं अपनी संभवता के लिए आपको बहुत धन्यवाद करता हूँ। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

मास्टर एवं अपनी संभवता के लिए आपको बहुत धन्यवाद करता हूँ। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

क्र. सं० प्राप्ति का विवरण	क्र. सं० संग्रह का विवरण	विवरण का विवरण	क्र. सं०
छठमीली साधन अप्र०प्र०पा०का०लि० का०लि०	उत्तरायण (उ०प्र०) ग्रामीण विद्युत योग जिला कमीशन का०लि०	विवरण का विवरण	१

कार्यवाही की अपेक्षा के लिए आपको बहुत धन्यवाद करता हूँ। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

मास्टर एवं अपनी संभवता के लिए आपको बहुत धन्यवाद करता हूँ। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

मास्टर एवं अपनी संभवता के लिए आपको बहुत धन्यवाद करता हूँ। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

मास्टर एवं अपनी संभवता के लिए आपको बहुत धन्यवाद करता हूँ। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

मास्टर एवं अपनी संभवता के लिए आपको बहुत धन्यवाद करता हूँ। आपका जिसका समर्थन किया गया है, वह बहुत अच्छा है।

कार्यवाही

